दिनांक 1 नवम्बर, 2015 को जैप ग्राउण्ड मैदान, डोरण्डा, राँची में झारखण्ड पुलिस द्वारा आयोजित राज्य पुलिस ड्यूटी मीट के उद्घाटन समारोह के अवसर पर माननीया राज्यपाल जी का अभिभाषण:–

झारखण्ड राज्य पुलिस द्वारा आयोजित पुलिस ड्यूटी मीट कार्यक्रम में आप सभी के बीच मुझे सम्मिलित होकर प्रसन्नता हो रही है। इस अवसर पर मैं झारखण्ड पुलिस ड्यूटी मीट में भाग लेने वाली झारखण्ड पुलिस के सातों क्षेत्र की टीमों को हार्दिक शुभकामनाएँ देती हूँ तथा पुलिस प्रशासन को इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन हेतु बधाई देती हूँ। मैं आशा करती हूँ कि इस प्रतियोगिता में भाग लेनेवाले प्रतिभागी अपने अच्छे हुनर का प्रदर्शन करते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनायेंगे।

पुलिस प्रशासन के समक्ष राज्य में विधि–व्यवस्था बनाये रखने की अहम चुनौती रहती है। पुलिसकर्मियों को अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु सदैव समर्पित भाव से तत्पर रहना होता है। ऐसे में इस प्रकार की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेना एक गौरव की बात है। मैं अपनी ओर से प्रतिभागियों एवं टीम को यह भी शुभकामना देती हूँ कि यहाँ के साथ–साथ प्रतिभागी अखिल भारतीय स्तर पर होने वाली पुलिस ड्यूटी मीट में शामिल होकर अच्छा प्रदर्शन करें एवं राज्य की गरिमा को आगे बढ़ायें।

मैं इस अवसर पर पुलिस पदाधिकारियों/कर्मियों से कहना चाहूँगी कि राज्य की प्रगति विधि–व्यवस्था सामान्य रहने तथा नागरिकों में शांति एवं सुरक्षा का अहसास होने पर निर्भर करती है। इसलिए पुलिस प्रशासन को हर परिस्थिति में अपना कार्य पूर्णतः ईमानदारी, निष्ठा व समर्पण के साथ करना चाहिये। जनता का विश्वास अर्जित करने के लिए आसूचनातंत्र को और सुदृढ़ करना होगा। जनता से पुलिसकर्मी न केवल सदैव शालीनता से बात करें, बल्कि उनकी शिकायतों को दर्ज करते हुए पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता से उनका निबटारा करें, ताकि राज्य के सभी नागरिक सुरक्षित महसूस करें।

अपराध पर नियंत्रण हेतु आपको अनुसंधान की प्रक्रिया को और अधिक **professional** बनाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान कार्यों में अपनाई जा रही नई तकनीक एवं वैज्ञानिक तरीकों को और व्यापक रूप में झारखण्ड पुलिस द्वारा अपनाना जाना चाहिये, ताकि अपराधी शीघ्र पुलिस हिरासत में हो तथा उसके विरूद्ध कानूनसम्मत कार्रवाई की जा सके। वर्त्तमान में देखा गया है कि पुलिस को किसी मामले के निष्पादन में शीघ्र सफलता अर्जित होने पर जनता भी खुले दिल से पुलिस की सराहना करती हैं एवं यदि पीड़ित को समय पर इन्साफ न मिले तो आलोचना भी होती है। लोगों का विश्वास अर्जित कर राज्य की विधि–व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जा सकता है।

इस प्रतियोगिता में शामिल सभी पुलिस कर्मियों से मैं उम्मीद करती हूँ कि इस प्रतियोगिता में जो भी वे सीखेंगे उसका उपयोग अनुसंधान कार्यों में करने का प्रयास करेंगे। आज पुलिस के समक्ष अनेक समस्यायें, जैसे– नक्सल, आतंकवाद एवं सामाजिक अपराध हैं। इन सभी प्रकार के अपराधों पर नियंत्रण अनुसंधान कार्यों की गुणवत्ता में अपेक्षित सुधारों से किया जा सकता है। राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान कार्यो में अपनाई जा रही नई तकनीकी एवं वैज्ञानिक तरीकों को भी हमें अपनाना चाहिए। आज के समय में साईबर क्राईम अधिक संख्या में घटित हो रहा है। इन घटनाओं के अनुसंधान हेतु तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता है। आशा करती हूँ कि महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड द्वारा इस संबंध में आवश्यक पहल की जायेगी।

इस अवसर पर मैं कहना चाहूँगी कि पुलिस प्रशासन इन्फॉरमेशन नेटवर्क को और मजबूत करने की दिशा में ध्यान दे। लोगों से अधिक से अधिक संवाद कायम करे, पुलिस–पब्लिक सहयोग की भावना को और विकसित करे ताकि अपराधियों के विरूद्ध हमें जनता का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो सके।

एक बार पुनः मैं अपराध अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित इस पुलिस ड्यूटी मीट में भाग लेनेवाली सभी टीमों को अपनी शुभकामनाएँ देती हूँ।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!